हड़तालें

366. श्री विभूति मिश्र : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में डाक्टर, इंजीनियर, श्रमिक तथा अराजपत्र घोषित सरकारी कर्मचारी प्रायः हड़ताल किया करते हैं ;

(ख) यदि हां तो क्या सरकार कोई ऐसी योजना तैयार कर रही है ताकि हड़तालें न होने पायें और समाज में प्रत्येक व्यक्ति को निश्चित रूप से अपनी जीविका कमाने का साधन प्राप्त हो ; और

(ग) यदि हां, तो उसका स्वरूप क्या है ?

योजना मंत्री (श्री अशोक मेहता) : (क) कुछ हड़तालों की सूचना मिली है और ये सामान्यतया वेतन-मांगों तथा महंगाई भत्तों के बारे में हुई।

(ख) योजना में जिन विकास कार्यक्रमों को शामिल किया गया है वे सभी को आजीविका के साधन प्रदान करने का यत्न करते है। परन्तु समय समय पर जो हड़तालें हुई हैं वे इतनी आजीविका के साधनों के आश्वासन के बारे में नहीं हुई जितनी कि वेतन मानो और कीमतों में कोई भी वृद्धांतर हो जाने से उपलब्ध जीवनस्तर पर पड़ने वाले प्रभाव के कारण।

(ग) डाक्टरों, इन्जीनियरों, अराजपत्रित सरकारी कर्मचारियों द्वारा समय समय पर की गई मांगों को पूरा करने के लिए, अर्थ व्यवस्था का विकास करने तथा उसे बनाये रखने के लिए जो कदम उठाये गये हैं उनके अलावा कोई अन्य विशेष कदम उठाने पर विचार नहीं किया गया।

Re-organisation of D.V.C.

367. Shri C. K. Bhattacharyya: Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) whether the proposal for division of the duties and functions of the Damodar Valley Corporation has been finalised; and

(b) whether the three participating Governments have agreed to the same?

The Minister of Irrigation and Power (Shri Fakhruddin Ahmed): (a) and (b). The proposal for the reorganisation of the Damodar Valley Corporation is still under consideration in consultation with the participating Governments of West Bengal and Bihar.

Assistance for Minor Irrigation Works in Andhra Pradesh

368. Shri M. S. Murti: Will the Minister of Finance be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 892 on the 18th November, 1965 and state:

(a) whether any decision has since been taken to release the promised aid of Rs. 7½ crores for Minor Irrigation Schemes in Andhra Pradesh; and

(b) if so, how much and when?

The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri): (a) and (b). A decision was taken in December, 1965 to release Rs. 2.37 crores immediately and to provide Rs. 1.63 crores, later, if the State Government incur expenditure to the extent of the full Budget provision under Minor Irrigation. The sum of Rs. 2.37 crores had already been released.

Gold Recovered in Rajasthan

369. Shri Shiv Charan Mathur:
Shri Gulshan:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:
Shrimati Savitri Nigam: